भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1267**

दिनांक 20 दिसंबर, 2018 को उत्‍तर के लिए

**कुपोषण के कारण होने वाली मौतों में वृद्धि**

**1267. श्री संजय सिंहः**

क्या महिला एवं बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में वैश्विक पोषण प्रतिवेदन, 2018 के द्वारा किए गए खुलासे के अनुसार विश्व के 150.8 मिलियन अल्प विकसित बच्चों में से लगभग एक तिहाई भारत में रहते हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि कुपोषण के कारण बच्चों की होने वाली मौतों की संख्या में दिनों दिन वृद्धि हो रही है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा देश में कुपोषण तथा रक्ताल्पता और अल्प विकास जैसी संबंधित बीमारियों को खत्म करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्‍तर**

डा. वीरेन्‍द्र कुमार महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में राज्‍य मंत्री

(क) : जी हां, वैश्‍विक पोषण रिपोर्ट 2018 में दी गई सूचना के अनुसार, तकरीबन एक तिहाई विश्‍व के बौने बच्‍चे भारत में रहते है।

(ख) : कुपोषण एक बहुस्‍तरीय समस्‍या है और यह मृत्‍यु का सीधा कारण नहीं है बल्‍कि संक्रमण के प्रति प्रतिरोधक क्षमता को कम करके मृत्‍यु दर और रूग्‍णता दर को बढ़ाने में योगदान देता है।

(ग) : मंत्रालय द्वारा देश में बच्‍चों की मृत्‍यु की संख्‍या से सम्‍बंधित ऑकड़े नहीं रखे जाते है। मंत्रालय देश में कुपोषण की समस्‍या को दूर करने के लिए प्रत्‍यक्ष रूप में लक्षित मध्‍यक्षेपों के रूप में छत्रक एकीकृत बाल विकास सेवा योजना के अंतर्गत विभिन्‍न योजनाओं जैसे कि ऑगनवाडी सेवाऍ, किशोरियों के लिए स्‍कीम और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का कार्यान्‍वयन कर रहा है। सरकार ने पोषण अभियान की शुरूआत भी की है जिसका लक्ष्‍य देश में समयबद्ध रूप से 0 से 6 वर्ष तक के बच्‍चों के बीच बौनेपन, कम भार और खून की कमी की व्‍यापकता, महिलाओं (15 से 49 वर्ष तक की) में खून की कमी की व्‍यापकता का निवारण और इसे कम करना तथा कम भार की व्‍यापकता में कमी करना है।

\*\*\*\*\*